कौन कहाँ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ

- कविता का एक्शन के साथ गाना व रोल प्ले (बच्चे ताला-चाबी और सुई-धागे की जोड़ियाँ बना लें) वस्तुएँ किससे बनीं.....मेले आदि पर चर्चा।
- संबंधित शब्द चित्र-कार्ड ढूँढना और जोड़ियाँ बनाना व नाम लिखना। अन्य चित्र-कार्डों से और भी जोड़ियाँ बनाना व कविता में जोड़ना। मौखिक रूप से भी और जोड़ियाँ बनाना जैसे रस्सी-बाल्टी, स्लेट-कलम आदि। मिट्टी से चीज़ें बनाना, मेले का चित्र बनाना।
- एक से अधिक बार आने वाले शब्दों की जोड़ी ढूँढना। जोड़ी वाले शब्द का क्रम बदलकर लिखना व पढ़ना, जैसे **ताला-चाबी** को **चाबी-ताला**।
- अक्षर व मात्रा पहचान; रेले मेले निकले, कहाँ यहाँ वहाँ, रोए गए खोए...ऐसे शब्दों को बोलकर व लिखकर फिर एक-से अक्षर व एक-सी मात्रा पर गोले लगाकर उन्हें अक्षर-कार्ड के साथ पहचानना व नए शब्द बनाना।
- एक जोड़ी के चित्रों के पास एक लाईन खींचकर अंक लिखना जैसे गिल्ली 4 डंडा 4 चित्रों के संबंध के आधार पर जोड़ी बनाना; पहले कुछ वस्तु रखकर जैसे, सुई और धागे पर पत्ती, चकला बेलन पर कंकड़ फिर लाइन खींचकर।

नोट- शब्दों के लिखित व बोले गए रूप में सामंजस्य बैठाना ज़रूरी है।

- रुचिकर संदर्भ (जैसे कहानी-कविता, चित्र) से शब्दों पर ध्यान केंद्रित करें। पर इससे पहले पर्याप्त मौखिक गतिविधियाँ कराएँ। संबंधित अभ्यास पृष्ठ 39 एवं 57 जैसे कुछ उपयुक्त अभ्यास कराएँ।

इस पन्ने पर कौन-सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

इस पन्ने पर कौन-सी नई गतिविधियाँ आपने बनाईं व कराईं। (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को किन गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक़्क़त आई?

कौन कहाँ

ताला - चाबी निकले साथ,
सुई धागे से करते बात।
पहुँचे सब एक मेले में,
खो गए सब एक रेले में।

ताला पूछे चाबी कहाँ,
धागा रोए सुई कहाँ।

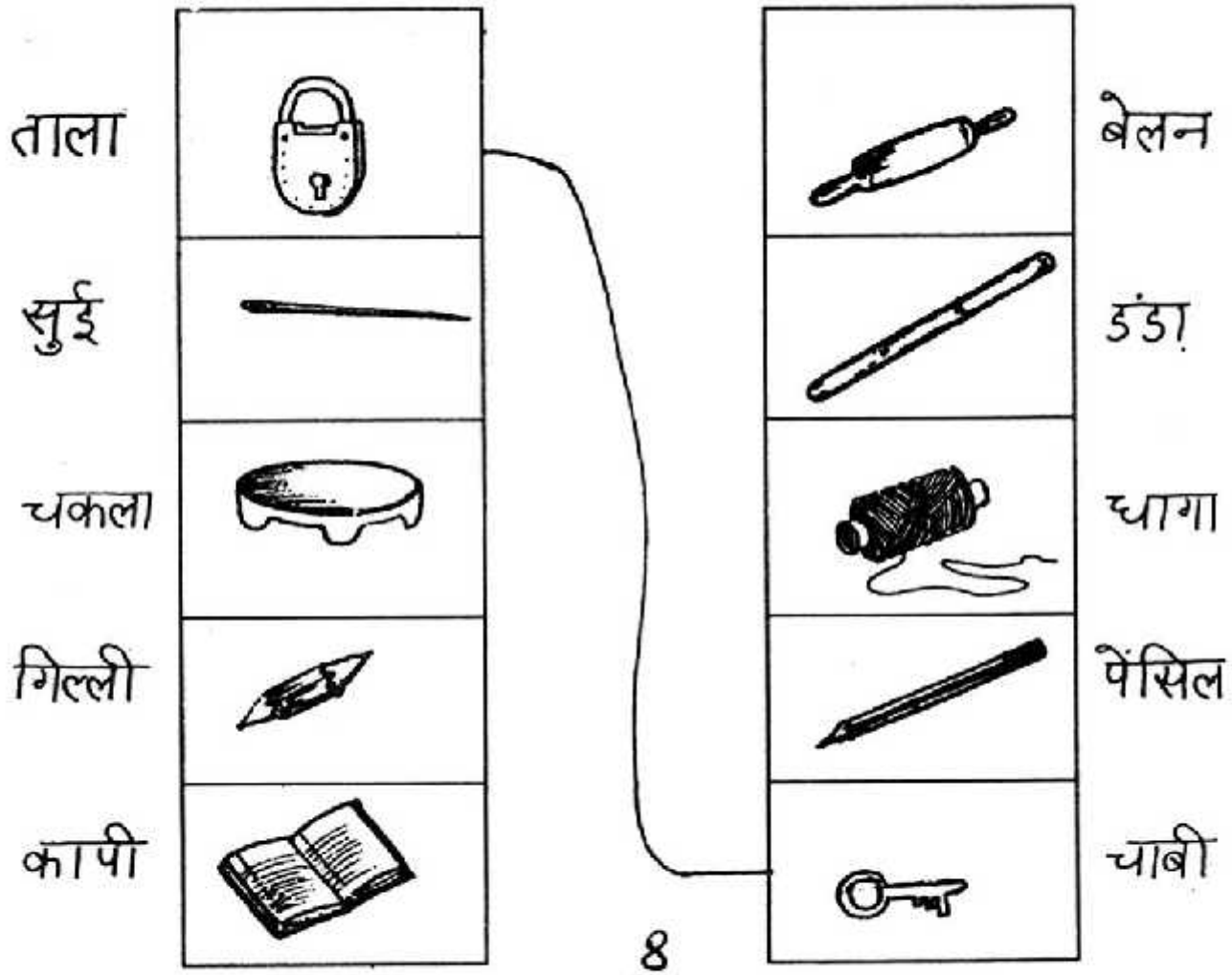

खेल भुलैया

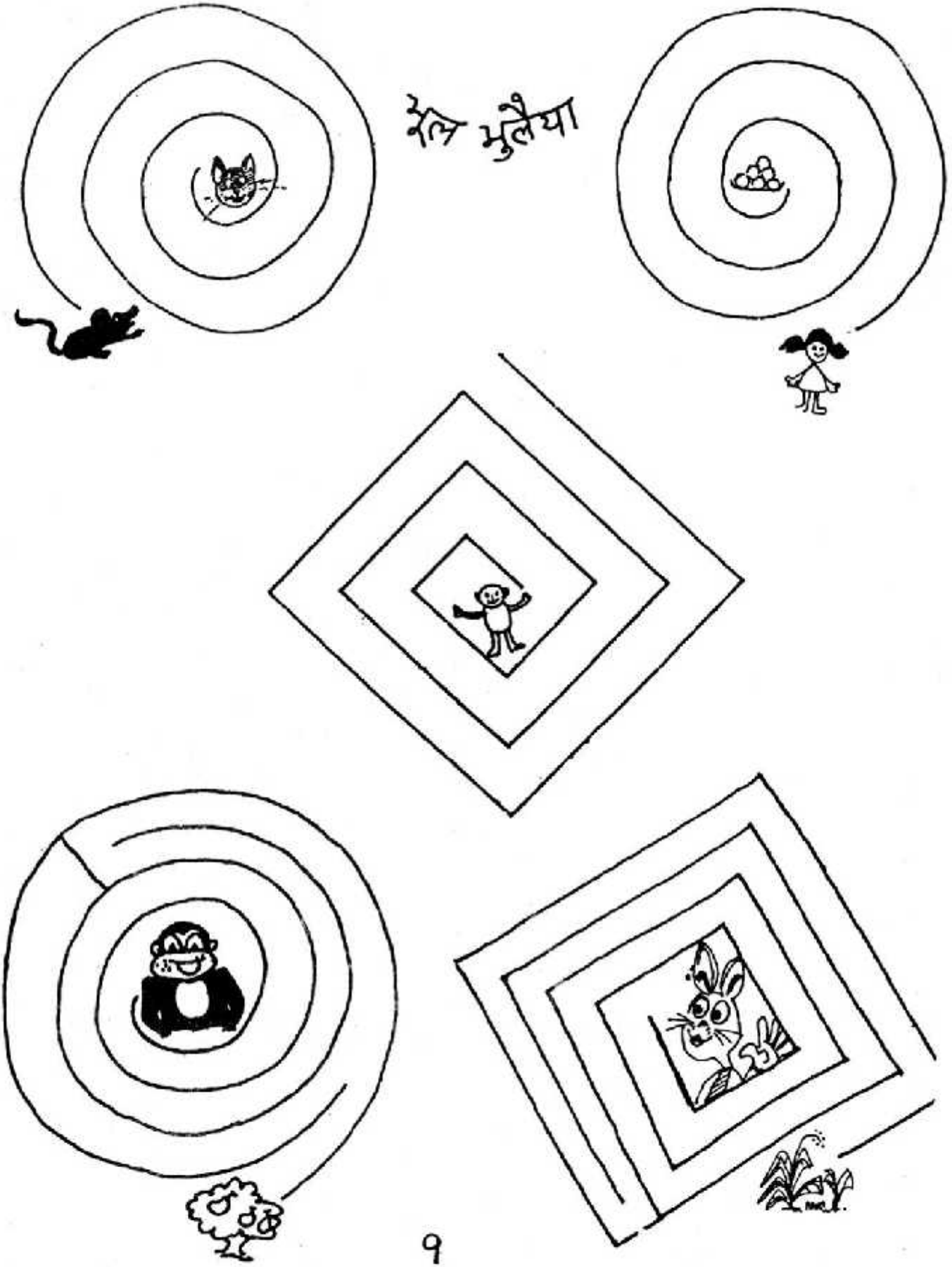

भूल-भुलैया

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- हरेक भूल-भुलैया की छोटी-छोटी कहानी या कविता सुनाना, बच्चों से सुनना। तख्ते पर शिक्षक लिखकर पढ़े।
- इस प्रकार की आसान भूल-भुलैया धूल में और पट्टी पर बनाना व बच्चों से उसमें उंगली, तिनका, कलम घुमवाना।
- ज़मीन पर बड़ी भूल-भुलैया बनाना और बच्चों से उसमें चलने को कहना।
- चित्र में बनी चीज़ों के नाम लिखवाना।
- ओर भी तरह की भूल-भुलैया बनवाना व करवाना।
- खाली जगह पर बच्चे अपने मन से भूल-भुलैया और चित्र बनाएँ।

नोट - ऊपर की तीन भूल-भुलैया आसान हैं क्योंकि एक ही तरफ पेंसिल घूमती है। नीचे की दो थोड़ी मुश्किल हैं क्योंकि रास्ता एक जगह जाकर रुक जाता है फिर पलटना पड़ता है। इस तरह की भूल-भुलैया पहले पट्टी या धूल पर आप बना लें और बच्चों से करवा लें।

इस पन्ने पर कौन-सी गतिविधियाँ बनाईं व कराईं?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर और कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं?

आपको व बच्चों को किन गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किन में दिक्कत आई?

बराबर जोड़े मिलाओ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों की पहचान व चर्चा; चित्र का नाम लेकर पूछना, कितनी लड़कियाँ हैं? इतनी चीज़ें और किस घेरे में हैं आदि।
- दो या तीन समूहों के आधार पर कहानी जैसे कछुए और गेंद या तितली व चिड़िया आदि पर बनाना।
- हर घेरे की संख्या का अंक-कार्ड ढूँढना व घेरे के नीचे संख्या लिखना।
- बराबर वस्तुओं के घेरों को लाईन से मिलाना।
- गिनती की कविताएँ सुनाना। जैसे एक राजा की राजकुमारी
- ठोस वस्तुओं से कम-अधिक-बराबर का अभ्यास कराना। कंकड़, पत्ते, तिनके, बीज के ढेर, धूल में या पट्टी पर गोला बना कर रखना और उनकी तुलना कराना।
- पन्ने में किस घेरे में कम हैं? कितने कम या कितने अधिक हैं?
- जोड़, घटा, कम, ज़्यादा के मौखिक सवाल जैसे मिसराम के पास 3 कंचे हैं व श्याम के पास 5। किस के पास अधिक हैं? कितने अधिक?
- हर समूह की संख्या के पहले व बाद की संख्या ○ और □ में लिखना जैसे ② 3 ④
- संबंधित अभ्यास 0 से 5 तक की संख्या के लिये पृष्ठ 48 जैसे अभ्यास कराना।
- यदि बच्चे गिन न पाएं तो दो समूहों की हर चीज़ लाईन से जोड़ कर तुलना कराएँ। यह तख्ते पर करा सकते हैं।

नोट - ध्यान रहे कि बच्चे अंतर्राष्ट्रीय अंक लिखें।

- 2 व 5 में बच्चों को भ्रम हो सकता है। यदि ऐसा हो तो बच्चे का ध्यान अब कार्ड के पीछे बनी बिन्दियों की ओर आकर्षित करें।

- वस्तुओं के आकार की बजाए उनकी संख्या पर ध्यान दिलाएं।

गणित में बराबर शब्द आकार और संख्या दोनों संदर्भों में उपयोग होता है। यह आम बोलचाल में 'लगातार' के रूप में भी उपयोग होता है। इसीलिये ध्यान देना ज़रूरी है।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने और कौन कौन-सी गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

बराबर जोड़े मिलाओ

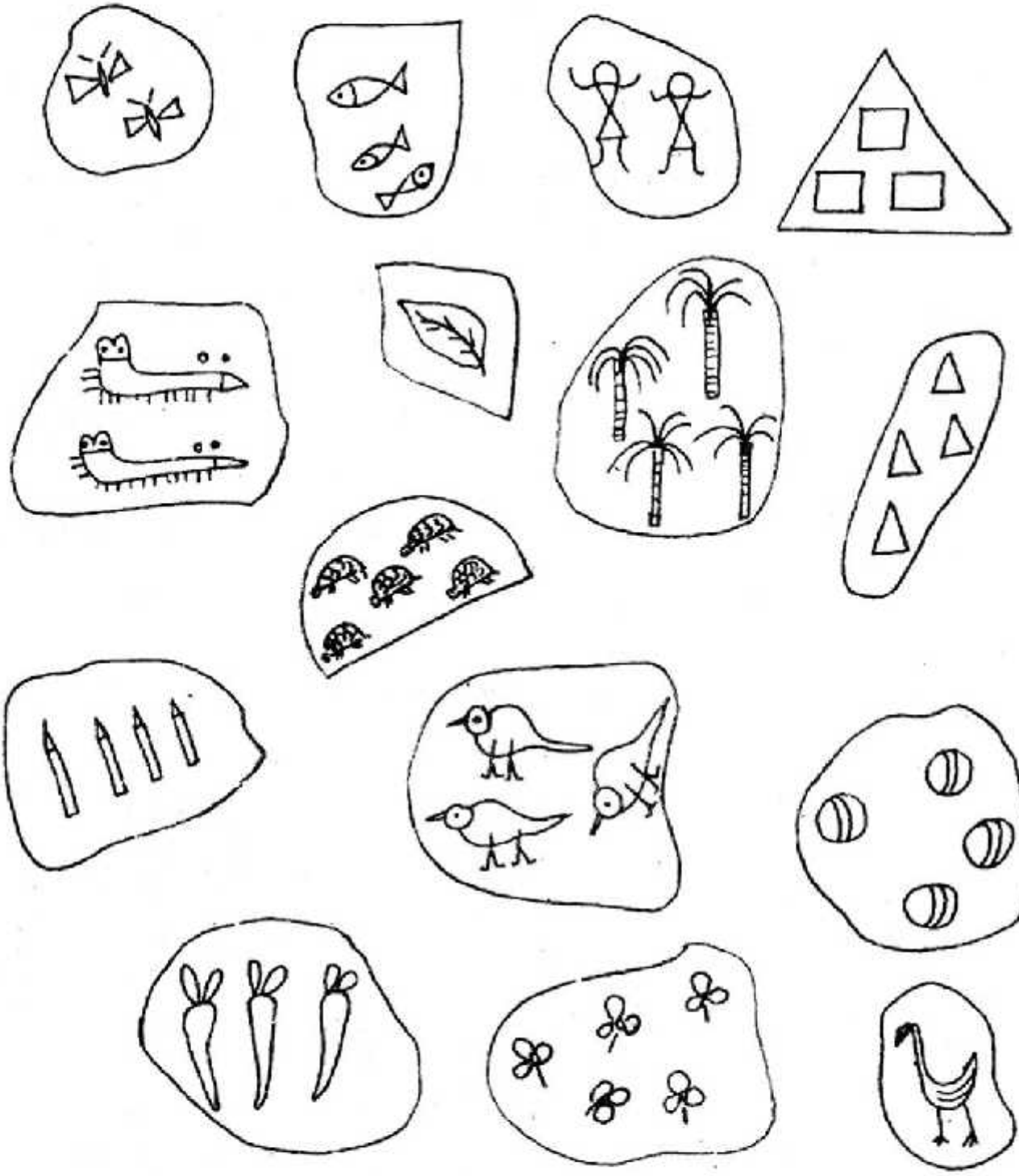

ठेले में, और खेत में और स्कूल में...

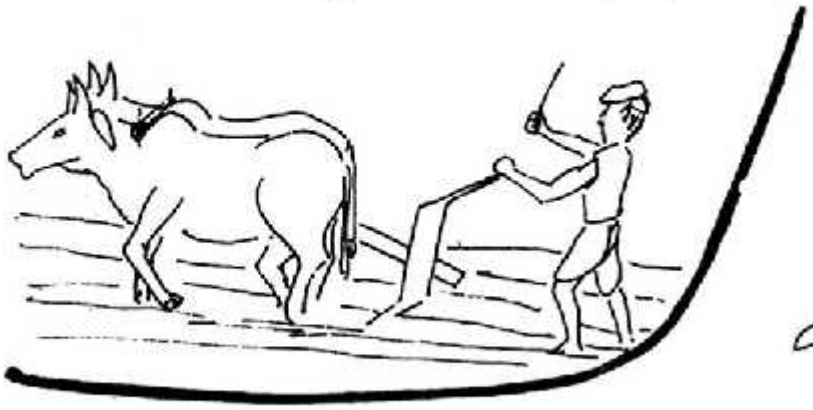

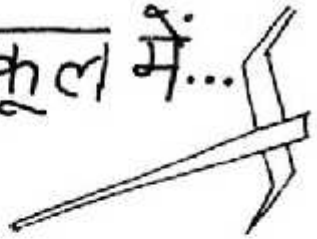

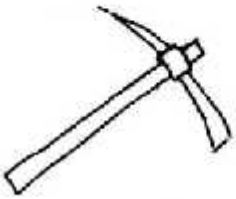

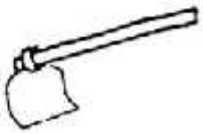

ठेले में और खेत में और स्कूल में

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- चित्र पर बातचीत - क्या क्या है? लड़की क्या कर रही है? ठेले पर कौन-सी सब्जियाँ हैं? आदि
- चित्र में दर्शाई वस्तुएँ व संबंधित वस्तुएँ गीली मिट्टी से बनाना।
- खिलौना तराजू बनाकर सब्जी फल किराने वाले का खेल खेलना। (सामान के लिये आसपास की वस्तुएं जैसे अलग-अलग बीज, पत्ती, तीली, कंकड़, आदि का उपयोग कर सकते हैं और बांट के लिये ढक्कन, माचिस की डिब्बी (धूल या रेत से भरी) आदि का उपयोग कर सकते हैं पता लगाना कि क्या भारी है और क्या हल्का?
- कौन सी चीज़ें किस के काम आयेगी यह दिखाने के लिए हर वस्तु पर गोला लगाकर सही जगह से लाईन खींच कर जोड़ें।

किस के पास अधिक चीजें आईं?

- शब्द चित्र कार्डों से भी छंटाई का यह खेल खेलें।
- चित्र से कहानी-कविता सुनना सुनाना- जैसे जब मैं स्कूल जा रही थी मुझे एक खरगोश मिला

नोट- समूहीकरण एक बहुत ही बुनियादी और जरूरी मानसिक कौशल है जिसे विकसित करने के लिये बच्चों को कई मौके देना ज़रूरी है।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?